

Package of Practices of Wheat

Climate: Wheat is grown in all types of climatic conditions i.e. tropical, sub-tropical and temperate. The cool and sunny winter is very conducive for growth of wheat crop. Temperatures for the optimum growth and development is 20 to 25° C mean daily.

Land Preparation: Well pulverized but compact seed bed for good uniform germination. One deep ploughing with soil turning plough followed by two harrowing and planking is desirable.

Sowing Time, Seed Rate & Spacing:

Sowing Time	Seed Rate (kg/ha)	Time of sowing	Spacing (R-R)
Irrigated Timely Sown	100	10-25 November	20-23 cm
Irrigated Late Sown	125	25 Nov.-25 Dec.	20-23 cm
Rainfed Timely Sown	125	25 Oct.-10 Nov.	20-23 cm

Seed Treatment: Use fungicide like Thiram or Carbendazim 50 WP @ 2.5 g/kg seed to control the fungi born diseases.

Depth: 5-6 cm deep below the soil where sufficient soil moisture is available to enable germination.

Irrigation: 6 irrigations in general. However, in sandy loam soil 6-8 Irrigations may be required where as in heavy clay soil 3-4 Irrigations are considered to be sufficient.

Status of Irrigation	Critical Crop Development Stage	Approximate date after sowing
1st Irrigation	At crown root initiation stage	20-25days
2nd Irrigation	At tillering stage	40-45days
3rd Irrigation	At node formation/late jointing or booting stage	60-65days
4th Irrigation	At heading/flowering stage	80-85days
5th Irrigation	At milk formation stage	100-105days
6th Irrigation	At grain filling/dough stage	115-120 days

Nutrient Management

The recommended dosage of various major nutrients for wheat is as under

Zones	Sowing Conditions	Fertilizer dosage and Time of application
NHZ	Irrigated timely sown	120:60:40 kg NPK/ha 1/3 N and full P&K as basal at sowing and remaining N in two equal splits at first and second irrigation
	Irrigated late sown	90:60:40 kg NPK/ha
	Rainfed	60:30:20 kg NPK/ha All applied at the time of sowing
NWPZ & NEPZ	Irrigated timely sown	150:60:40 kg NPK/ha 1/3 N and full P&K as basal at sowing and remaining N in two equal splits at first and second irrigation
	Irrigated late sown	120:60:40 kg NPK/ha
	Rainfed	60:30:20 kg NPK/ha All applied at the time of sowing
NHZ, CZ, PZ & SHZ	Irrigated timely sown	120:60:40 kg NPK/ha 1/3 N and full P&K as basal at sowing and remaining N in two equal splits at first and second irrigation
	Irrigated late sown	90:60:40 kg NPK/ha
	Rainfed	60:30:20 kg NPK/ha All applied at the time of sowing

In light soils, deficiency of micronutrients (like Zinc, Mn, Sulphur) in wheat fields particularly in the Rice-Wheat system occurs. The general recommendation in the concerned micronutrient deficient soils is as follows:

Deficiency	Micronutrient combination	Dosage	Application methods
Zinc	Zinc Sulphate Foliar spray	@ 25 kg/ha in F&W system 0.5% solution	At sowing once in a year 2-3 sprays at 15 days interval in standing Zn deficient crop.
Manganese	Manganese sulphate	0.5% solution	2-3 sprays at weekly interval at 2-4 days before first Irrigation
Sulphur	Gypsum	@ 250 kg/ha	At land preparation

Weed Management : Keep the field weed-free, especially in the early stages of growth. Use appropriate weedicides as needed, following recommended application rates and safety precautions.

Pest and Disease Management: Regularly inspect the crop for signs of pests and diseases. Implement integrated pest management strategies, including cultural practices, biological control, and chemical control when necessary.

Harvesting and Storage: Harvest the crop when the grains are fully mature, dry and the grain moisture content is around 14 to 20%. The harvested crop is there after threshed and sundried to a moisture level of around 10-12% for safe storage.

Disclaimer: This is general recommendation of package of practices for the wheat, but specific recommendations may be followed according to local agriculture institutes/departments.

Eagle SEEDS AND BIOTECH PVT. LTD.
801, Apollo Premier, Vijay Nagar Square, Indore 452010 (M.P.), INDIA
www.eagleseeds.com
Customer Care Call : Officer (Sales Co ordinator)
Toll Free No. : 70240 25955, Email: customer.care@eagleseeds.com
Address as above

गहू की खेती की विधि

जलवायु: गहू सभी प्रकार की जलवायु स्थितियों में उगाया जाता है, अर्थात् उष्णकटिबंधीय, उप-उष्णकटिबंधीय और समशीतोष्ण। ठंडी और धूप वाली सर्दी गहू की फसल की वृद्धि के लिए बहुत अनुकूल होती है। पौधों की अनुकूल वृद्धि और विकास के लिए तापमान 20 से 25°C औसत रहना चाहिए।

भूमि की तैयारी: एक समान अंकुरण के लिए अच्छी तरह से भुरभुरी नमी संरक्षित बीज बिछाने की बेह अवश्यक है। एक गहरी जुताई, जिसे मिट्टी पलटने वाला हल उपयोग किया जाता है, उसके बाद दो बार गुड़ाई और पाटा चलाना आवश्यक है।

बोने का समय, बीज की दर और अंतराल:

बुवाई की स्थिति	बीज की दर (kg/ha)	बुवाई का समय	सूची (लाइन से लाइन)
सिंचित क्षेत्र समय पर बुवाई	100	10-25 नवम्बर	20-23 से.मी.
सिंचित क्षेत्र देर से बुवाई	125	25 नवम्बर-25 दिसम्बर	20-23 से.मी.
बारानी क्षेत्र समय पर बुवाई	125	25 अक्टूबर-10 नवम्बर	20-23 से.मी.

बीज उपचार: फरफूटनशील जैसे कि थाइराम या कार्बेन्डाज़िम 50 WP @ 2.5 ग्राम / किलोग्राम बीज का उपयोग करके ताक फरफूटनजित बीमारियों को नियंत्रित किया जा सके।

गहराई: 5-6 सेंटीमीटर गहरा मिट्टी में जहां अंकुरण को सहज बनाने के लिए पर्याप्त मिट्टी की नमी उपलब्ध हो।

सिंचाई: सामान्यतः 6 सिंचाई हलों/कि, दहीले दोमट मिट्टी में 6-8 सिंचाई की आवश्यकता हो सकती है जबकि भारी क्ले मिट्टी में 3-4 सिंचाई को पर्याप्त माना जाता है।

सिंचाई की स्थिति	फसल की कार्बिक अवस्था	बोने के बाद अनुमानित तारीख
पहली सिंचाई	शीर्ष जड़ प्रवर्तन अवस्था (CR1)	20-25 दिन
दूसरी सिंचाई	दोमिया विकसनीय अवस्था	40-45 दिन
तीसरी सिंचाई	गूठ बनने की अवस्था	60-65 दिन
चौथी सिंचाई	फूल आने के पूर्व की अवस्था	80-85 दिन
पांचवी सिंचाई	दानों में दूध पड़ने समय	100-105 दिन
छठी सिंचाई	दूध दाना सूखने हो रहा हो	115-120 दिन

पोषक तत्व प्रबंधन : गहू के लिए विभिन्न प्रमुख पोषक तत्वों की अनुशंसित मात्रा निम्नलिखित है।

क्षेत्र	बुवाई की स्थिति	उर्वरक की सुझाव और उपयोग का समय
NHZ उत्तरी पर्वतीय क्षेत्र	सिंचित क्षेत्र समय पर बुवाई	120:60:40 kg NPK/ha बुवाई के समय 1/3 N और P&K की पूरी मात्रा को बेसल डोज के रूप में पहली और दूसरी सिंचाई पर क्षेत्र N को दो समान भागों में विभाजित करके प्रयोग करें।
	सिंचित क्षेत्र देर से बुवाई	90:60:40 kg NPK/ha
	बारानी क्षेत्र समय पर बुवाई	60:30:20 kg NPK/ha बुवाई के समय पूरी मात्रा एक पाठ में ही डालें।
NWPZ & NEPZ	सिंचित क्षेत्र समय पर बुवाई	150:60:40 kg NPK/ha बुवाई के समय 1/3 N और P&K की पूरी मात्रा को बेसल डोज के रूप में पहली और दूसरी सिंचाई पर क्षेत्र N को दो समान भागों में विभाजित करके प्रयोग करें।
	सिंचित क्षेत्र देर से बुवाई	120:60:40 kg NPK/ha
	बारानी क्षेत्र समय पर बुवाई	60:30:20 kg NPK/ha बुवाई के समय पूरी मात्रा एक पाठ में ही डालें।
NHZ, CZ, PZ & SHZ	सिंचित क्षेत्र समय पर बुवाई	120:60:40 kg NPK/ha बुवाई के समय 1/3 N और P&K की पूरी मात्रा को बेसल डोज के रूप में पहली और दूसरी सिंचाई पर क्षेत्र N को दो समान भागों में विभाजित करके प्रयोग करें।
	सिंचित क्षेत्र देर से बुवाई	90:60:40 kg NPK/ha
	बारानी क्षेत्र समय पर बुवाई	60:30:20 kg NPK/ha बुवाई के समय पूरी मात्रा एक पाठ में ही डालें।

हल्की मिट्टियों में, गहू के खेतों में विशेष रूप से चावल-गहू की खेती के क्षेत्रों में सूक्ष्म पोषक तत्वों (जैसे जस्ता, मैंगनीज, सल्फर) की कमी होती है। संबंधित सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी वाली मिट्टियों में सामान्य सिफारिशें इस प्रकार हैं:

सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी	सूक्ष्म पोषक का संयोजन	मात्रा	अनुप्रयोग विधियाँ
जिक	जिक सल्फेट पार्श्व छेद	@ 25 कि./हेक्टर 0.5% घोल	जिक में एक बार बुवाई के समय जल की कमी वाले छेद फसल में 15 दिन के अंतराल पर 2-3 छेद करें।
मैंगनीज	मैंगनीज सल्फेट	0.5% घोल	सिंचाई से 2-4 दिन पहले छेद लगाएं 2-3 छेद करें।
सल्फर	जिप्सम	@250 कि./हेक्टर	भूमि की तैयारी के समय

खरपतवार प्रबंधन: फसल के प्रारंभिक अवस्था में खेत को खरपतवार-मुक्त रखना चाहिए, अनुशंसित मात्रा और सुझाव साधनाधिनिया का पालन करते हुए, आवश्यकतानुसार उचित खरपतवारनाशी का उपयोग करें।

कीट और रोग प्रबंधन: फसल की नियमित रूप से देखभाल करके ताकि कीट और रोग के लक्षणों का पता लगाया जा सके। एकीकृत कीट प्रबंधन रणनीतियों को लागू करें, आवश्यकतानुसार कृषि क्रियाएं, जैविक नियंत्रण और रासायनिक नियंत्रण करें।

कार्टाई और भंडारण: जब फसल पूरी तरह से परिपक्व हो, और दानों में नमी की मात्रा लगभग 14 से 20% हो, तब फसल की कार्टाई करें। कार्टाई के बाद, फसल की गहराई करें और सुरक्षित भंडारण के लिए लगभग 10-12% नमी स्तर तक धूप में सुखायें।

अस्वीकृति: हमारे अनुसंधान के आधार पर यह गहू की खेती की सामान्य सिफारिश है, लेकिन खेती के उचित परिणाम हेतु स्थानीय कृषि संस्थानों/विभागों के अनुसंधारी गैर-विशेषज्ञों से सिफारिशों का पालन करें।

ईगल सीड्स एण्ड बायोटेक प्रा. लि.
801, Apollo Premier, Vijay Nagar Square, Indore 452010 (M.P.), INDIA
www.eagleseeds.com
Customer Care Call : Officer (Sales Co ordinator)
Toll Free No. : 70240 25955, Email: customer.care@eagleseeds.com
Address as above

गहू लागवड तंत्रज्ञान

हलाना: गहू सर्व प्रकारच्या हलानात परिशिष्टित म्हणजेच उष्णकटिबंधीय, उपोष्णकटिबंधीय आणि समशीतोष्ण हलानात पिकवला जातो. हलू आणि सुसंपर्काशित हिराळा गूह पिकाच्या वाढीसाठी खूप अनुकूल असतो. इष्टतम वाढ आणि विकासासाठी सरासरी दररोज तापमान 20 ते 25° सेल्सियस असते.

जमीन तयार करणे: बागायती गव्हासाठी पाण्याचा चांगला निचरा होणारी, भारी व खोल जमिनीची निवड करावी. शक्यतो उर्वरकयाम जमिनीत गूह घेणे टाळावे. चांगल्या एकासारख्या उपजाऊ शकणारी लोखंडी नानादण्ड एक खोल नांगणी आणि त्यानंतर कुठ्ठवाच्या 2-3 पाख्या देऊन जमीन भुसभुशीत करावी.

पेरणीची वेळ, वियाण्याचा दर आणि अंतर:

पेरणीच्या वेळ	वियाण्याचा दर (कि/हे)	पेरणीची वेळ	अंतर
बागायती वेळेवर पेरणी	100	10-25 नोव्हेंबर	20-23 से.मी.
बागायती उशीरा पेरणी	125	25 नोव्हेंबर-25 डिसेंबर	20-23 से.मी.
कमी पाणी वेळेवर पेरणी	125	25 ऑक्टोबर-10 नोव्हेंबर	20-23 से.मी.

बीजप्रक्रिया: सुरधीजन्य रोगाचे नियंत्रण करण्यासाठी थायन किंवा कार्बेन्डाज़िम 50 डेकूप्यूरी @ 2.5 ग्राम/किलो बियाणे यासारख्या सुरधीनाशकांचा वापर करा.

खोली: मातीच्या खाली 5-6 सेमी खोल निचे उगवण होण्यासाठी पुरेसा ओलावा उपलब्ध असेल.

सिंचन: सर्वसाधारणपणे गव्हासाठी 6 सिंचन लागतात. तथापि, हलक्या जमिनीत 5-8 सिंचनांची आवश्यकता अस्तु शकते तर भारी जमिनीत 3-4 सिंचन पुरेसे मानले जातात.

सिंचनाची स्थिती	पौक विकासाची गंभीर अवस्था	पेरणीची वेळ
पहिले सिंचन	सुकटमुळे फुटण्याची अवस्था	पेरणीनंतर 20-25 दिवस
दुसरे सिंचन	कांडी धरण्याची अवस्था	पेरणीनंतर 40-45 दिवस
तिसरे सिंचन	नोड निर्मिती	पेरणीनंतर 60-65 दिवस
चौथे सिंचन	फुल्ल्याची अवस्था	पेरणीनंतर 80-85 दिवस
पाचवे सिंचन	चौक भरण्याची अवस्था	पेरणीनंतर 100-105 दिवस
सहावे सिंचन	दाणे भरण्याची अवस्था	पेरणीनंतर 115-120 दिवस

पोषक तत्व व्यवस्थापन : गव्हासाठी लागणाऱ्या विविध प्रमुख पोषक तत्वांची सिफारिश खालीलप्रमाणे आहे.

क्षेत्र	बुवाई की स्थिति	उर्वरक की सुझाव और उपयोग का समय
उत्तरी पर्वतीय क्षेत्र	सिंचित क्षेत्र समय पर बुवाई	120:60:40 कि/हे नन:सुफुटन:पालाश/हेक्टर बुवाई के समय 1/3 N और P&K की पूरी मात्रा को बेसल डोज के रूप में पहली और दूसरी सिंचाई पर क्षेत्र N को दो समान भागों में विभाजित करके प्रयोग करें।
	सिंचित क्षेत्र देर से बुवाई	90:60:40 कि/हे नन:सुफुटन:पालाश/हेक्टर समान भागमांसे।
	बारानी क्षेत्र समय पर बुवाई	60:30:20 कि/हे नन:सुफुटन:पालाश/हेक्टर सर्व पेरणीच्या वेळी वापरले जाते.
उत्तरी पर्वतीय क्षेत्र	सिंचित क्षेत्र समय पर बुवाई	150:60:40 कि/हे नन:सुफुटन:पालाश/हेक्टर बुवाई के समय 1/3 N और P&K की पूरी मात्रा को बेसल डोज के रूप में पहली और दूसरी सिंचाई पर क्षेत्र N को दो समान भागों में विभाजित करके प्रयोग करें।
	सिंचित क्षेत्र देर से बुवाई	120:60:40 कि/हे नन:सुफुटन:पालाश/हेक्टर समान भागमांसे।
	बारानी क्षेत्र समय पर बुवाई	60:30:20 कि/हे नन:सुफुटन:पालाश/हेक्टर सर्व पेरणीच्या वेळी वापरले जाते.

हलक्या जमिनीत, गहू पिकांमध्ये, विशेषतः भात-गहू पिकांमध्ये सूक्ष्म अन्नद्रव्यांची (जस्त, मैंगनीज, सल्फर) कमतरता आढळते. संबंधित सूक्ष्म अन्नद्रव्यांची कमतरता असलेल्या मातीत सामान्य सिफारिश खालीलप्रमाणे आहे:

सूक्ष्म पोषक तत्वांची कमतरता	सूक्ष्म पोषक तत्वांचे संयोजन	दर	वापराची वेळ व पध्दती
जस्त	जिक सल्फेट पार्श्व छेद	@ 25 कि./हेक्टर 0.5 % द्रावण	सर्वातून एकाच पेशी करताना उभ्या उभारणी कमतरताआढळल्या पिकावर 15 दिवसांच्या अंतराने 2-3 फवारण्या करा.
मैंगनीज	मैंगनीज सल्फेट	0.5 % द्रावण	महिला विनाय्याच्या 2-4 दिवस आधी आवश्यक अंतराने 2-3 फवारण्या करा.
सल्फर	जिप्सम	@250 कि./हेक्टर	जमीन तयार करताना.

तण व्यवस्थापन: विशेषतः वाढीच्या सुकवत्याच्या टप्प्यात शेत तणमुक्त ठेवा. आवश्यकतेनुसार योग्य तणाशाकांचा सिफारशीनुसार वापर करा आणि फवारणीच्या वेळेस खरपतारी घ्यावी.

कीटक आणि रोग व्यवस्थापन: कीटक आणि रोगांच्या लक्षणांसाठी पिकाची नियमितपणे तपासणी करा. आवश्यक असल्यास लागवड पध्दती, जैविक नियंत्रण आणि रासायनिक नियंत्रणासह एकात्मिक कीटक व्यवस्थापन धोरणे लागू करा.

कार्टाई आणि भंडारण: धान्य पूर्णपणे पिकलेली, कार्टाई असताना आणि धान्याच्या आर्द्रतेचे प्रमाण सुमारे 14 ते 20% असताना कार्टाई करा. कार्टाई केलेले पौक मळणी आणि उन्हात वाळवल्यानंतर सुरक्षित साठवणुकीसाठी सुमारे 10 ते 12% आर्द्रता पातळीपर्यंत ताठवले जाते.

अस्वीकृति: ही गव्हाच्या लागवड तंत्रज्ञानाची सामान्य सिफारिश आहे, परंतु स्थानिक कृषि संस्था/विभागांनुसार विशिष्ट सिफारिशे पालन केले जाऊ शकते.

ईगल सीड्स एण्ड बायोटेक प्रा. लि.
801, Apollo Premier, Vijay Nagar Square, Indore 452010 (M.P.), INDIA
www.eagleseeds.com
Customer Care Call : Officer (Sales Co ordinator)
Toll Free No. : 70240 25955, Email: customer.care@eagleseeds.com
Address as above

धुठनी भेती पध्दति

आयोडवा: धुठ तमाम प्रकारची आयोडवाची परिस्थितीत (ओडी) शिवाय जेम 3 उष्णकटिबंधीय, उप-उष्णकटिबंधीय अने समशीतोष्ण. धुठना पाकना विकास माटे 65 अने सूर्यप्रकाशाची शिवायानो वातावरण भूज ज अनुकूल होय थे. पाकना सारा विकास माटे सरेशा 6 दिन तापमान 20 थी 25° सेल्सियस अस्तु.

जमीनी तैयारी: बीजना सार अंकुरण माटे व्हीठ हो 65 क्यार् 6 व्हीठ थी 105 क्री सभार माटे जमीन तैयार करवी.

वावणीनी समय, बीज दर अने वावणी अंतर:

वावणीनी समय	बीज दर (कि/हेक्टर)	वावणीनी समय	वे वाठन वखनी अंतर
समयसर वावणी (सिंचित)	100	10-25 नवेम्बर	20-23 से.मी
मोडी वावणी (सिंचित)	125	25 नवेम्बर-25 डिसेम्बर	20-23 से.मी
समयसर वावणी (वसाह आधारीत)	125	25 ऑक्टोबर-10 नवेम्बर	20-23 से.मी

बीज मावणत: इंग्रज्य रोगीने निश्चित कच्चा माटे धायरम अथवा कार्बेन्डाज़िम 50 डेकूप्यूरी. 6 व्हीठ थी 2.5 ग्राम प्रति (डिबी बीज प्रमाणे) परिस्थितीत वापर आयाव.

खोडाथ: बीजने जमीनमां प-6 से.मी. खोडाथवे वाववुं ज्यार् अंकुरण माटे पूरती भेज उपलब्ध होय थे

सिंचाथ: सामान्य रीते 6 सिंचाथ नी जरुरे होथ थे जोडे, रेशाण गोडु जमीनमां 6-7 सिंचाथी जरुरे पडी शके थे ज्यार सारे योडणी जमीनमां 3-4 सिंचाथ पूरती मानवामां आये थे.

सिंचाथनी स्थिति	क्रीक्रीनी अवस्थाथो	वावणी पछीना अंदाजित दिवस
पडेवी सिंचाथ	मुसुटण अवस्था	20-25 दिवस
बीज सिंचाथ	हूर अवस्था	40-45 दिवस
तीज सिंचाथ	गुणे आववाणी अवस्था	60-65 दिवस
योथी सिंचाथ	हुव अवस्था	80-85 दिवस
पाथमी सिंचाथ	कुविया दाणा अवस्था	100-105 दिवस
छुडी सिंचाथ	पोक अवस्था	115-120 दिवस

भांतर: धुठना पाक माटे विविध मूय पोषक तत्वोनी भवामाथ करवे माना नीरे मुज्यथ थोते.

जोन	वावणीनी परिस्थितीथो	भांतरनी मात्रा अने उपयोथनी समय
मोन.अथ. 305	सिंचित समयसर वावणी	120:60:40 कि/हे नन:सुफुटन:पालाश/हेक्टर बुवाई के समय 1/3 N और P&K की पूरी मात्रा को बेसल डोज के रूप में पहली और दूसरी सिंचाई पर क्षेत्र N को दो समान भागों में विभाजित करके प्रयोग करें।
	सिंचित मोडी वावणी	90:60:40 कि/हे नन:सुफुटन:पालाश/हेक्टर समान भागमांसे।
	वसाह आधारीत	60:30:20 कि/हे नन:सुफुटन:पालाश/हेक्टर सर्व पेरणीच्या वेळी वापरले जाते.
मोन.अथ.थो. 305, अने मोन. 60पी.305	सिंचित समयसर वावणी	150:60:40 कि/हे नन:सुफुटन:पालाश/हेक्टर बुवाई के समय 1/3 N और P&K की पूरी मात्रा को बेसल डोज के रूप में पहली और दूसरी सिंचाई पर क्षेत्र N को दो समान भागों में विभाजित करके प्रयोग करें।
	सिंचित मोडी वावणी	120:60:40 कि/हे नन:सुफुटन:पालाश/हेक्टर समान भागमांसे।
	वसाह आधारीत	60:30:20 कि/हे नन:सुफुटन:पालाश/हेक्टर सर्व पेरणीच्या वेळी वापरले जाते.
मोन.अथ. 305, शी. 305 पी. 305 अने मोन.अथ. 305	सिंचित समयसर वावणी	120:60:40 कि/हे नन:सुफुटन:पालाश/हेक्टर बुवाई के समय 1/3 N और P&K की पूरी मात्रा को बेसल डोज के रूप में पहली और दूसरी सिंचाई पर क्षेत्र N को दो समान भागों में विभाजित करके प्रयोग करें।
	सिंचित मोडी वावणी	90:60:40 कि/हे नन:सुफुटन:पालाश/हेक्टर समान भागमांसे।
	वसाह आधारीत	60:30:20 कि/हे नन:सुफुटन:पालाश/हेक्टर सर्व पेरणीच्या वेळी वापरले जाते.

धुठवी जमीनमां, भास करीने डांगर-धुठ पाक पध्दतिमां जमीनमां सूक्ष्म पोषकतत्वो (जस्त, मैंगनीज, सल्फर) नी उष्या ज्योवाम थो थे. सूक्ष्म पोषकतत्वोनी उष्या परवाती जमीनमां तन्वा प्रमाणे सामान्य भवामांश नी मुज्यथ थोते.

उष्या	सूक्ष्म पोषक तत्वोनी संयोथन	माना	अखुठ पध्दतिथो
जौक	जौक सल्फेट छेडकव	25 कि/आ/हेक्टर 0.5% द्रावण	डांगर-धुठ पाक पध्दतिमां वर्धमां अेकवार वावणी वथते ठेवा पाकमां 15 दिवसमां अंतर 2-3 फवारण्या करवु
मैंगनीज	मैंगनीज सल्फेट	0.5% द्रावण	पडेवी सिंचाथ थी 2-